Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—6505

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PERFORMING ARTS** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PERFORMING ARTS
DANCE, DRAMA/THEATRE
अभिनय कला
नृत्य, नाटक/रंगमंच

PAPER – III
प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given herewith. The candidates are required to choose their specialisation i.e. Dance or Drama and answer all questions from that specialization only.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The miming aspect of natya termed angikabhinaya in the Natyasastra is also an integral part of dancing; the principles which govern the technique of angikabhinaya in natya also govern the technique of nritya or what is termed as just abhinaya in dancing.

The dancer employs the body and its limbs for expression; the vachikabhinaya of natya, where the actors themselves use speech, is replaced by the music which accompanies the dance. In the nritta portion, the musical accompaniment utilizes melody in a given tala (metrical cycle) and the improvisations on the basic tala are intepreted through movement. In the abhinaya portion the musical accompaniment mostly consists of poetry, lyrical or narrative, set to music and rhythm. It is this poetry which is interpreted by the dancer : the interpretation (specially in the solo dancing of all the classical styles) comprises a portrayal of the various 'sanchari bhavas' of the particular sthayi bhava. This is achieved through a series of variations of the angikabhinaya, each word of the poetry being interpreted in as many different ways as possible.

नाट्य के अन्तर्गत मूक अभिनय को ही नाट्यशास्त्र में अंगिकाभिनय कहा गया है। नाट्यशास्त्र नर्त्तन का एक अभिन्न अंग है। नाट्यशास्त्र में अंगिकाभिनय की तकनीक को जो सिद्धान्त शासित करते हैं वे ही सिद्धान्त नृत्य की तकनीक को भी शासित करते हैं अर्थात् इसे ही नृत्य में सही अर्थों में अभिनय की संज्ञा दी गयी है।

नर्त्तक शरीर और अन्य अंगों का उपयोग, अभिव्यक्ति के लिए करते हैं। नाट्य के अन्तर्गत वाचिकाभिनय में अभिनेता अपनी वाणी का उपयोग करते हैं यही संगीत के द्वारा उपस्थापित किया जाता है। यह संगीत नृत्य के साथ चलता है। नृत्य अंश में संगीत के संगत का उपयोग दिये गये ताल (मीटरीकल साइकल) में सुर (मेलोडी) लाने के लिए होता है। इसके पश्चात मुख्य ताल पर आधारित आशुक्रिया (इम्प्रोविजेशन) की व्याख्या, अंग संचालन के माध्यम से जाती है। अभिनय के अन्तर्गत संगत में मुख्यत: कविता, गीतिकाव्य या आख्यान काव्य लिए जाते हैं, जो संगीत और लय के अनुकूल हों। इसी व्याख्या में (विशेष रूप से सभी शास्त्रीय शैली के एकल नृत्यों में) एक विशेष स्थायी भाव के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के संचारी भावों का अभिनय प्रस्तुत किया जाता है। यह सब श्रृंखलाबद्ध, विभिन्न परिवर्त्तनीय अंगिकाभिनय द्वारा प्रस्तुत होता है। इस तरह कविता के प्रत्येक शब्द की व्याख्या, विभिन्न तरीकों से करना संभव होता है।

SECTION - I (DRAMA/THEATRE)

खण्ड – I

Of late there has been a spate of books on Indian theatre by the western authors. This includes not only eminent practitioners like Jerzy Grotovsky, Eugene Barba, Peter Brook, Richard Schechner and others but also a number of scholars, chiefly from the American universities. In a sense, this is a continuation of the work of A.B. Keith, Sylvan Levi and many others earlier in the twentieth century, or H.W. Wells whose books came out around the fifties. But while the earlier scholars were generally orientalists, the new authors are all involved in one way or the other, in theatre, as directors, actors, playwrights or critics. They have been driven to Indian theatre partly in search of some solution to the dilemmas in their own creative work.

इन दिनों पाश्चात्य लेखकों ने भारतीय रंगमंच पर बहुत–सी किताबें लिखी हैं। इनमें से कुछ विशिष्ट रंगकर्मियों के नाम गिनाये जा सकते हैं। जैसे – जरसी, ग्रोटोस्की, यूजीन बाखा, पीटर ब्रूक, रिचर्ड शेकनर तथा इनके अलावा अन्य कई विद्वान जो मुख्यत: अमेरिका के विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध थे। सही अर्थों में ए.बी. कीथ, सिल्वन लिवी तथा बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य विद्वान तथा एच.डब्ल्यू. वेल्स जिनकी किताबें उन्नीस सौ पचास के लगभग प्रकाशित हुईं – इन सबकी निरन्तरता में ही कार्य हुए। पहले के विद्वान सामान्यत: 'ओरियन्टलिस्टस्' थे लेकिन नये लेखक किसी न किसी रूप से रंगमंच से जुड़े थे या निर्देशक, अभिनेता, नाटककार या आलोचक थे। वस्तुत: भारतीय रंगमंच से वे अंशत: इसलिए जुड़े थे क्योंकि उन्हें अपने सृजन कार्य की कुछ उलझनों के समाधान की खोज थी।

1. What is 'abhinaya in dancing' ?
नृत्य में 'अभिनय' क्या है ?

अथवा / OR

Who are the orientalists and what was their contribution to the study of ancient Indian texts ?
'ओरियन्टलिस्टस' कौन थे तथा प्राचीन भारतीय ग्रन्थों के अध्ययन में उनका क्या योगदान था ?

2. Define 'vachikabhinaya' of dance.
नृत्य में 'वाचिकाभिनय' को परिभाषित कीजिए।

अथवा / OR

Why do you think that so many scholars from the west are attracted to undertake studies in Indian theatre ?
पश्चिम के बहुत सारे विद्वान भारतीय रंगमंच का अध्ययन करने की ओर क्यों आकर्षित हुए ?

3. What is 'sanchari bhava' of a solo classical dance performance ?
एकल शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत करने में 'संचारी भाव' क्या है ?

अथवा / OR

How do you assess the works of Indian scholars in comparision to that of the scholars from the west ?
भारतीय विद्वानों के कार्यों की तुलना पश्चिम के विद्वानों से करते हुए आप क्या मूल्यांकन कर सकते हैं ?

4. What happens in 'nritta' ?
नृत्त् में क्या होता है ?

अथवा / OR

What is the area of study of Richard Schechner in Indian theatre ?
रिचर्ड सेचनर ने भारतीय रंगमंच के किस विषय पर अध्ययन किया ?

5. Relate natya with nritta and nritya briefly.
नृत् और नृत्य का नाट्यशास्त्र से क्या सम्बन्ध है ? संक्षेप में लिखें।

अथवा / OR

Write a few lines about the project undertaken by Peter Brook that brought him in contact with Indian arts.
पीटर ब्रूक द्वारा किये गये उस प्रोजेक्ट के विषय कुछ पंक्तियों में चर्चा कीजिए जिसके कारण, वे भारतीय कला के सम्पर्क में आये।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Who is a 'dhiralalita' nayaka ?

'धीरललित नायक किसे कहते हैं ?

अथवा / OR

Define Natya, Nritta and Nritya.

नाट्य, नृत और नृत्य को परिभाषित कीजिए।

7. Define 'Tandava' and 'Lasya'.
'तांडव' और 'लास्य' को परिभाषित कीजिए।

अथवा / OR

Why Bharata's 'Vikrishta Madhyama Natyagriha' is considered the ideal stage for performance ?
क्यों भारत का 'विकृष्ट मध्यम नाट्यगृह' मंचन के लिए आदर्श माना जाता है ?

8. What is the difference between tribal dance and folk dance ?
आदिवासी नृत्य और लोक नृत्य में क्या अन्तर है ?

अथवा / OR

Name the four 'vrittis' with reference to Natya and explain any one of them.
नाट्य के संदर्भ में चार 'वृत्तियों' के नाम लिखें और इनमें से किसी एक की व्याख्या करें।

9. Define 'Navarasa'.
'नवरस' को परिभाषित कीजिए।

अथवा / OR

What is an opera ? Explain with reference to Indian theatre traditions.
'ओपेरा' किसे कहते हैं ? भारतीय रंगमंच की परम्परा के संदर्भ में इसे समझाइए।

10. What is 'Purvaranga' of Natyashastra ?
नाट्यशास्त्र के अन्तर्गत 'पूर्वरंग' क्या है ?

अथवा / OR

Give a brief account of any one of the four forms of Japanese theatre : Kabuki, Noh, Bugaku, Bunraku.
जापानी रंगमंच के निम्नलिखित चार रूपों में से किसी एक का संक्षिप्त वर्णन करें।
काबुकी, नो, बुगाकु, बुनराकु

11. What are the qualities of a dancer ?
एक नर्तक के क्या गुण होने चाहिए ?

अथवा / OR

Define 'Abhinaya' according to Bharata.
भरत के अनुसार 'अभिनय' को पारिभाषित कीजिए।

12. Point out two differences of Hindusthani and Carnatic music.
हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के मध्य दो विभिन्नताएँ क्या हैं ?

अथवा / OR

Explain Rasa sutra of Bharata.
भरत के 'रससूत्र' की व्याख्या कीजिए।

13. How many kinds of 'Hastamudras' are defined in Abhinayadarpanam ? Name them.
'अभिनयदर्पणम्' में 'हस्तमुद्राओं ' के कितने भेद परिभाषित किये गये हैं ? नामोल्लेख कीजिए।

अथवा / OR

Name 'Dasarupakas' and explain Prahasana.
दशरूपकों के नाम गिनायें तथा 'प्रहसन' की व्याख्या करें।

14. Show the relation of 'pravritti' with 'vritti'.
'प्रवृत्ति' के साथ 'वृत्ति' का सम्बन्ध बताइए।

अथवा / OR

Explain Aharya abhinaya.
'आहार्य अभिनय' को समझाइए।

15. Why is Chidambaram temple important for dance ?
चिदाम्बरम् मन्दिर क्यों नृत्य के लिए महत्त्वपूर्ण है ?

अथवा / OR

Write brief note on 'Sanchari Bhava'.
'संचारी भाव' का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

16. Give three characteristic features of Wayang dance-drama of Indonesia.
इंडोनेशिया के नृत्य रूप 'वयांग नृत्य' की तीन प्रमुख विशेषतायें वर्णित करें।

अथवा / OR

Explain the terms 'Janantika' and 'Apavaritaka'.
'जनान्तिका' और 'अपवार्त्तिका' की व्याख्या कीजिए।

17. What is the origin of Panchamveda ?
पंचवेद का स्रोत क्या है ?

अथवा / OR

What is 'Vishkambaka' ? Explain with an example.
'विष्कम्बक' किसे कहते हैं ? एक उदाहरण द्वारा उसे स्पष्ट कीजिए।

18. What is 'sadir' ?
'सदिर' क्या है ?

अथवा / OR

Name the sanskrit play based on Karna, its author and write a brief outline of the play.
कर्ण पर आधारित संस्कृत नाटक का नाम बताइए, इसके लेखक कौन थे ? नाटक का सारांश लिखिए।

19. "The gurukula system still stands supreme in Dance Education". Do you agree ? Defend with reasons.
"नृत्य शिक्षण में गुरुकुल पद्धति आज तक श्रेष्ठतम मानी गयी है" – क्या आप इससे सहमत हैं ? युक्तायुक्त उत्तर दीजिए।

अथवा / OR

What is the role of 'Sutradhara' in sanskrit dramatic presentation ?
संस्कृत नाटक के मंचन में 'सूत्रधार' की क्या भूमिका है ?

20. Discuss in brief about a choreographer who has impressed you in recent times.
वर्तमान समय में कौनसा 'कोरियोग्राफर' आपको प्रभावित करता है ? उसके विषय संक्षेप में लिखें।

अथवा / OR

Explain the characteristics of 'Dhiralalita Nayaka'.
'धीरललित नायक' की विशेषतायें बताइए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. As a choreographer, which theme would you choose for a production today and why ?

एक 'कोरियोग्राफर' की हैसियत से आज आप प्रस्तुति के लिए कौनसी विषयवस्तु का चयन करेंगे और क्यों ?

अथवा / OR

Write your views on contemporary theatre directors interacting with traditional theatre forms.

समकालीन रंगमंच निर्देशकों की पारम्परिक रंगमंच रूपों के प्रति प्रतिक्रियाओं पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

22. What is the difference between ballet and dance drama ? Explain with examples.

'वेले' और 'नृत्यानाट्य' में क्या अन्तर है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा / OR

Bertolt Brecht has a strong presence in Modern Indian theatre. What are the reasons for Brecht to have such an influence on Indian theatre ?

आधुनिक भारतीय रंगमंच में ब्रेटोल्ट ब्रेक्ट की दृढ़ भागीदारी है। भारतीय रंगमंच पर 'ब्रेच' के इस प्रभाव का क्या कारण है ?

23. "Classical Indian Dance developed as an expression of religion". Explain with your opinion for or against the statement.

"धर्म की अभिव्यक्ति के रूप में भारतीय शास्त्रीय नृत्य का विकास हुआ है" - इस उक्ति के पक्ष या विपक्ष में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

अथवा / OR

"Street theatre is nothing but theatre of propaganda" - Do you agree. Discuss in detail.

"नुक्कड़ नाटक और कुछ नहीं मात्र प्रचार का मंच है" - क्या आप इससे सहमत है ? विस्तार से चर्चा करें।

24. Discuss the relation of sculptures with dance.

'मूर्त्तिकला' और 'नृत्य' का क्या सम्बन्ध है ? चर्चा कीजिए।

अथवा / OR

What are salient features of Grotowski's poor theatre ? Discuss the acting techniques associated with this system of theatre.

ग्रोटोवोस्की के 'पुअर थियेटर' की विशेषताओं की चर्चा करें। इस नाट्यपद्धति से जुड़े अभिनय तकनीकों की चर्चा करें।

25. Discuss how the folk dances have contributed in the making of a classical dance in India.

भारतवर्ष में शास्त्रीय नृत्य के सर्जन में लोक नृत्य का क्या योगदान है ? चर्चा करें।

अथवा / OR

Discuss the contribution of Ebrahim Alkazi in the development of modern Indian theatre.

आधुनिक भारतीय रंगमंच में इब्राहीम अल्काजी के योगदान की चर्चा करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. "The form and the content identify a classical dance". Discuss the statement with your opinion.

"स्वरूप और विषयवस्तु ही शास्त्रीय नृत्य की पहचान है" – इस उक्ति पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

OR / अथवा

Explain how the martial art forms have been integrated in dance productions to widen the scope of innovation in dance practice.

नृत्य की प्रस्तुतियों में युद्धकला विद्या (मार्शल आर्ट फोर्म) ने किस तरह नृत्य के प्रयोग में नवीनता का क्षेत्र विस्तृत बनाया है – स्पष्ट करें।

OR / अथवा

An Indepth Study of Indian Epics provides a firm foundation to the Students of Performing Arts. Do you agree with the statement. Discuss.

'भारतीय महाकाव्यों का गहन अध्ययन प्रस्तुति कला के विद्यार्थियों को दृढ़ नींव प्रदान करता है' – क्या आप इस उक्ति से सहमत हैं – तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

OR / अथवा

Explain how Performing Art is Integrated and Inter-disciplinary.

'प्रस्तुति कला' एक समाकलित और 'इन्टर डिसिप्लिनरी' विषय हैं – कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....